

ये अव्यक्त इशारे

ज्वालास्वरूप स्थिति में रह शक्तिशाली याद का अनुभव करो

20-07-2026

योग माना शान्ति की शक्ति। यह शान्ति की शक्ति बहुत सहज स्व को और दूसरों को परिवर्तन करती है, इससे व्यक्ति भी बदल जायेंगे तो प्रकृति भी बदल जायेगी। व्यक्तियों को तो मुख का कोर्स करा लेते हो लेकिन प्रकृति को बदलने के लिए शान्ति की शक्ति अर्थात् योग बल ही चाहिए। योग में जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, एक ही संकल्प रहता “बाप और मैं” इसी को ही पावरफुल योग कहते हैं। बाप के मिलन की अनुभूति के सिवाए और सब संकल्प समा जायें तब कहेंगे ज्वाला रूप की याद, जिससे परिवर्तन होता है।

Stay in the volcanic stage and experience powerful remembrance.

Yoga means the power of silence. This power of silence can very easily bring transformation in the self and others. The elements, as well as souls, will be transformed without words but, in order to transform the elements, you need the power of silence; you need the power of yoga. Your yoga can be powerful when all other thoughts have become quiet and there is just the one thought of “Baba and I”. All thoughts, apart from the experience of meeting the Father, should vanish. Only then could you honestly say that your remembrance is as powerful as a fire with which transformation can take place